प्रपत्र– 2.28

परियोजना का नामः– जनपद बागेश्वर के विधानसभा क्षेत्र कपकोट में गैरखेत लखमरा 5 किमी0 मोटर मार्ग का वनभूमि प्रस्ताव उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव।

भू वैज्ञानिक की आख्या

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

भू – गर्भीय निरीक्षण आख्या एस0जी0– 183 / सड़क / पुल समरेखण / कुमाऊं / 2014

जनपद बागेश्वर में गैरखेत–लखमरी मोटर मार्ग के प्रस्तावित समरेखण स्थल की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

30–सितम्बर–2014

4 Oct. 2014 1:51PM P2
FAX NO. :2530431
M :E-nC PWD

जनपद बागेश्वर में गैरखेत–लखमरा मोटर मार्ग के प्रस्तावित समरेखण स्थल की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

विजय डंगवाल

30.09.2014

1. **प्रस्तावना:–** निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, कपकोट द्वारा 5.00 किमी0 लम्बे
गैरखेत–लखमरा मोटर मार्ग का नव निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इ0 सी0एस0 नेगी,
अधिशासी अभियन्ता के अनुरोध पर उक्त मोटर मार्ग के प्रस्तावित समरेखण स्थल का भू–गर्भीय
निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 08.06.2014 को इ0 प्रकाश लाल, सहायक अभियन्ता,
इ0 सन्नी कुमार सैनी, कनिष्ठ अभियन्ता नि0ख0, लो0नि0वि0, कपकोट की उपस्थिति में किया
गया।

अवगत कराया गया है, कि लखमरा गांव को जोड़ने के लिये अन्य कोई
वैकल्पिक समरेखण हेतु उपयुक्त स्थल का अभाव है।

2. **स्थिति:–** प्रस्तावित मार्ग का समरेखण स्थल जनपद बागेश्वर के कपकोट ब्लॉक में स्थित
कपकोट पोलिंग मोटर मार्ग के किमी0 8 से प्रारम्भ होता है एवं लखमरा गांव तक अपनी पूर्ण
लम्बाई 5.00 किमी0 में पहुंचता है।

3. **भू–गर्भीय स्थिति:–** भू–गर्भीय स्थिति के अनुसार प्रस्तावित मार्ग का समरेखण स्थल कुमायूं क्षेत्र
के लेसर हिमालय बेल्ट के आन्तरिक भाग में स्थित है। कपकोट, गैरखेत, लखमरा एवं इसके
समीपवर्ती क्षेत्रों में देववन एवं मन्धाली फॉरमेशन के डोलोमाइट शैल अवस्थित हैं जो कि मैसिव,
अत्यन्त कठोर प्रवृति के है तथा इन शैलों का आंशिक रूप से अपक्षय हुआ दृष्टिगोचर है। इन
शैलों की संधियां अत्यन्त विस्तारित (widely spaced jointed) है तथा यह अधिकांशतः खुली
हुई है।

प्रस्तावित समरेखण का प्रारम्भिक 300 मी0 लम्बा भाग गैरखेत गांव के शीर्ष
से होकर गुजरता है तथा इसके ऊपरी ढालों पर कम्पोजिट मैटेरियल का जमाव दृष्टिगोचर है।
चैनेज 250 मी0 से चैनेज 500 मी0 तक का भाग अत्यन्त तीव्रता वाले ढाल से होकर गुजरता है
जिसमें डोलोमाइट शैलों के खण्ड सिल्टी–क्ले मैटेरियल में जमे हुये हैं। ढालों के उत्खनन
फलस्वरूप इनके गतिमान होने की भी सम्भावना है। उक्त समरेखण का चैनेज 500 मी0
चैनेज 700 मी0 तक का भाग स्थाईत्व की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील क्षेत्र से होकर गुजर
है। उक्त स्थल के ढालों के टो (toe) का कटान जरगाड़ गदेरे द्वारा गम्भीर रूप से ऊपरी ढा
पर स्थित खेतों की दीवारों में बाहय दिशा में विरूपण हुआ स्पष्ट दृष्टिगोचर है। उक्त स्थल प

-2-

[illegible] मकान स्थित है

गदेरे से (±) 120 मी0 की ऊंचाई पर श्री कुशल सिंह, रतन सिंह इत्यादि के मकान स्थित है तथा प्रस्तावित मार्ग का निर्माण इनके निचले [illegible] जाना है।

[illegible] गदेरे के [illegible] किमी0 से [illegible] किनारों से होकर [illegible] कि [illegible] रेखण अन्तिम बिन्दु तक [illegible] के मैटेरि[illegible] स्ट्रेच्ड स्थल पर उच्च आंकी गई है। [illegible] ढालों पर जमा मैटेरियल [illegible] प्राकृतिक रूप से उच्च घनत्व [illegible] मैटेरियल विद्यमान नहीं [illegible] है तथा [illegible] है।

[illegible] भू-गर्भीय स्थिति [illegible] भू आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

4. सुझावः–

1. प्रस्तावित मार्ग के चैनेज 00.00 से चैनेज 700 मी0 तक के भाग का निर्माण मात्र दीवारों को बनाकर किया जाय। इस भाग में ढालों पर किसी भी प्रकार का उत्खनन भू-गर्भीय दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील है।
2. चैनेज 700 मी0 से 1.5 किमी0 तक के भाग का निर्माण हाफ कट-हाफ फिल तकनीकि द्वारा ही किया जाए।
3. मार्ग की सम्पूर्ण सतह को अच्छी तरह ब्लैक टॉप द्वारा सील किया जाए।
4. सम्पूर्ण मार्ग में रिटेनिंग एवं ब्रेस्ट वॉल का निर्माण समुचित परिकल्पना के आधार पर किया जाए।
5. मार्ग के जल निकास के समुचित उपाय किए जाएं तथा सभी नालियां पक्की बनाई जाए एवं निकास जल का निपटान सुरक्षित स्थल पर किया जाए।
6. मार्ग के निर्माण में MORTH द्वारा निर्धारित मानकों एवं विशिष्टियों का पूर्ण रूपेण अनुपालन आवश्यक है।

5. **निष्कर्षः—** समरेखण स्थल पर किए गए भूगर्भीय अध्ययन के आधार पर उपरोक्त सुझाव का कड़ाई के साथ अनुपालन करते हुए उक्त मार्ग का समरेखण स्थल मार्ग के निर्माण हेतु भू-गर्भीय दृष्टि से उपयुक्त पाया गया है।

30/9/2014

(विजय डंगवाल)
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो० नि० वि०
कपकोट